|| श्री ||

१. ॐ नमोजी आद्या वेद प्रतिपाद्या।
जय जय स्वसंवेद्या। आत्मरूपा॥

२. वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

३. प्रारंभी विनती करू गणपती विद्यादयासागरा
अज्ञानत्व हरोनी बुद्धि मति दे आराध्य मोरेश्वरा।
चिंता क्लेश दरिद्र दु:ख अवघे देशांतरा पाठवी
हेरंबा गणनायका गजमुखा भक्तां बहु तोषवी॥

४. मोरया मोरया मी बाळ तान्हे। तुझीच सेवा करू काय जाणे॥
अन्याय माझे कोट्यानुकोटी। मोरेश्वरा बा तू घाल पोटी॥

५. नेत्री दोन हिरे प्रकाश पसरे। अत्यंत ते साजिरे।
माथा शेंदूर पाझरे वरिवरे। दूर्वांकुरांचे तुरे॥
माझे चित्त विरे मनोरथ पुरे। देखोनि चिंता हरे।
गोसावीसुत वासुदेव कवि रे। त्या मोरयाला स्मरे॥

******